एक बार फिर आ कन्हैया

एक बार फिर आ कन्हैया,
देश की नैया फिर है खतरे
में आ के इसे बचा ,
एक बार फिर आ कनाहिया,

जिस गौओ को तू पूजे
था वो भारी दु:ख पाती,
अरे बुषरखाने बने देश
में गुओ काटी जाती,

बुरी तरह दक्रती तुझको
याद करे कान्हा,
एक बार फिर आ कन्हैया....
मदत करी दरोपती की दुष्ट

जब नंगी करना चाहते,
आज हजारो के चीर उतारे जाते,
घर घर कंस और दुशाशन
इनका गोर मिटा,

एक बार फिर आ कन्हैया.....
फ़ैल रहा है आंतक देश

में कोई नही हिमाती,
रोज हजारो निदोशो की

जान यहाँ पर जाती,
पानी महंगा खून है सस्ता
सड़क पे है रहे बहा,
एक बार फिर आ कन्हैया....

वोटो और नोटों का लालच
देश को वेच रहे है,
बेठ के लाखो नीता लोग
रोटी सेक रहे है,

आज कवी हरे राम वैसला
तुझको रहा बुला,
एक बार फिर आ कन्हैया

Source:
https://www.bharattemples.com/ek-baar-phir-aa-kanhaiya-desh-ki-naiya-phir-hai-khatare/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw